

# डीप टेक स्टार्टअप पर फोकस, अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन में लगेंगे दो हजार करोड़ रुपए



अभय करंदीकर  
डीएसटी सेक्रेटरी

सौदामिनी मुजुमदार | इंदौर

अंतरिम बजट में 14 हजार करोड़ रुपए की राशि सिर्फ रिसर्च के लिए दी गई है, इसमें लगभग दो हजार करोड़ रुपए केवल अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन में लगाए जाएंगे। यह कोई स्कीम नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा रिसर्च फाउंडेशन है। आईआईटी इंदौर के 15वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंचे डीएसटी (डिपार्टमेंट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी) के सेक्रेटरी और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के सीईओ अभय करंदीकर ने भास्कर के साथ खास बातचीत में यह कहा। यहां उन्होंने आईआईटी में बनी मेकर्स स्पेस लैब और चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ केयर का शुभारंभ किया। उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

**Q** अक्सर स्टार्टअप को बड़ी फंडिंग की घोषणा की जाती है, लेकिन यह राशि उन तक पहुंचने में काफी समय लग जाता है। इसमें कैसे सुधार होगा?

- स्टार्टअप तक फंडिंग कैसे पहुंचे इसके लिए एक फ्रेमवर्क बन रहा है। आईडेक्स एक ऐसा ही फ्रेमवर्क है जिसके तहत डिफेंस के क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप को फंडिंग मिलती है। ऐसा फ्रेमवर्क हम अन्य क्षेत्रों में भी बनाएंगे, ताकि आत्मनिर्भर भारत पर काम हो सके और छोटे स्टार्टअप तक भी राशि तय नियमों के तहत पहुंचाई जा सके। इसमें हम ग्रांट्स भी देंगे।

**Q** ज्यादातर स्टार्टअप विफल रहे हैं, क्या यह बबल बर्स्ट होने वाला है?

जवाब : स्टार्टअप भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है

और आगे भी रहेगा। असली स्टार्टअप डीप टेक स्टार्टअप ही हैं। हम कह सकते हैं कि भविष्य में यही भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे। यही नहीं जब तक यह स्टार्टअप हैं तब तक कोई बबल बर्स्ट नहीं होगा।

**Q** डीप टेक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

जवाब : आज देश में कुल 1 लाख स्टार्टअप हैं। इनमें से बमुश्किल 5 हजार स्टार्टअप ही डीप टेक हैं। इनकी संख्या को बढ़ाना होगा। इसके लिए हम उन्हें हर तरह से प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। डीप टेक स्टार्टअप को हम बाजार में विशेष सुविधाएं उपलब्ध करवाने को तैयार हैं। अनुसंधान फाउंडेशन, आईआईटी, इन्क्यूबेशन सेंटर आदि में भी ऐसी संस्थाओं को ही बढ़ावा दे रहे हैं।